



Delta variant of coronavirus predominates in Varanasi

4th June, 2021: Banaras Hindu University (BHU), Varanasi and the CSIR-Centre for Cellular and Molecular Biology (CCMB), Hyderabad have collaboratively sequenced genomes of coronavirus variants in Varanasi and adjoining areas. Their study reports at least seven major strains of coronavirus circulating in these regions. The Multidisciplinary Research Unit headed at BHU collected samples from Varanasi and areas around the city, mostly in April 2021. The team at CCMB sequenced these samples and found out that there were at least seven major variants circulating in the region. 130 samples were sequenced in this study.

“Among the Variants of Concern (VoC), the most predominant variant we found in our study was B.1.617. This variant was also reported to be one of the major drivers of the second COVID-19 wave in India”, said Prof Singh, who heads the Multidisciplinary Research Unit at BHU.

“Just as in most of India, the B.1.617.2 variant (aka Delta variant) was the most common one in the samples we studied. They were found among 36% of the total samples. Other VoCs such as the B.1.351, detected in South Africa for the first time, was also found in this area”, said Dr Rakesh Mishra, Advisor, CCMB. “This study confirms yet again that the Delta variant is the most widespread coronavirus variant in the country right now. But at the same time, it is imperative for us to keep an eye on the other emerging variants in the country to prevent another unprecedented surge of cases”, he adds.



वाराणसी में कोरोना वायरस के डेल्टा वेरिएंट सबसे ज्यादा

काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी और सीएसआईआर-सेलुलर और आणविक जीवविज्ञान केंद्र (सीसीएमबी), हैदराबाद ने वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों से कोरोनावायरस वेरिएंट के जीनोम को सीक्वेंस किया है। इस अध्ययन में पाया गया की इस क्षेत्र में कम से कम कोरोनावायरस सात वरियेंट्स उपस्थित थे। बीएचयू की एम् आर यू लैब ने वाराणसी और शहर के आसपास के क्षेत्रों से ज्यादातर अप्रैल 2021 में वायरस के नमूने एकत्रित किए, सीसीएमबी की टीम ने इन नमूनों को सीक्वेंस किया और पाया कि इस क्षेत्र में कम से कम सात प्रमुख प्रकार प्रसारित हो रहे थे। इस अध्ययन में 130 नमूनों का सीक्वेंस किया गया।

" हमारे अध्ययन में सबसे प्रमुख वेरिएंट ऑफ कंसर्न (वीओसी) बी.1.617, जिसको डबल म्यूटेंट कहा जाता है था। इस वेरिएंट को भारत में दूसरी COVID-19 लहर के प्रमुख कारको में से एक बताया गया था", बीएचयू में एम् आर यू लैब की प्रमुख प्रोफेसर सिंह ने बताया।

"जैसा कि भारत के अधिकांश जगहों पर बी.1.617.2 वेरिएंट (उर्फ डेल्टा संस्करण) हमारे द्वारा अध्ययन किए गए नमूनों में सर्वाधिक था। वे कुल नमूनों में से 36 प्रतिशत में पाए गए। अन्य वीओसी जैसे B.1.351, जो पहली बार दक्षिण अफ्रीका में पाया गया था, इस क्षेत्र में भी पाया गया", डॉ राकेश मिश्रा, सलाहकार, सीसी एम बी ने कहा। "यह अध्ययन फिर से पुष्टि करता है कि डेल्टा संस्करण अभी देश में सबसे व्यापक कोरोनावायरस वेरिएंट है। लेकिन साथ ही, हमारे लिए देश में इस वायरस के अन्य उभरते हुए रूपों पर नजर रखना अनिवार्य है ताकि मामलों की एक और अभूतपूर्व वृद्धि को रोका जा सके", उन्होंने आगे कहा।